चन्दा मामा

मूलभाव :- चन्दा मामा को बच्चे अपने मन की बात कहते हैं। चन्दा मामा से सिकायत करता है कि तुम मेरे पास नहीं आते हो। और गुस्सा दिखाते हुये कहता है कि जब कभी भी तुम्हें पकड़ पाऊँगा तुमसे बदला लूँगा। और अच्छा पाठ सुनाकर तुम्हारा मन बहलाऊँगा।

মূলভাৱ :- চান্দা মামাক শিশুসকলে নিজৰ মনৰ কথা কৈ আছে। চান্দা মামাক শুধিলে যে তুমি মোৰ কাষত কিয় নাহা। আৰু নিজৰ খং দেখুৱাই ক'লে যে যেতিয়া তোমাক ধৰিব পাৰিম তেতিয়া ইয়াৰ পোতক তুলিম। আৰু ভাল ভাল পাঠ শুনায় তোমাৰ মন বিশাল কৰিম।

शब्दार्थ

नित्यः– सदाय, पाठशाला:– विद्यालय

अभ्यास

1. कविता को याद करो और सुनाओ।

उत्तरः खुद करो।

2. खाली स्थान भरो—

(क) प्रतिदिन जाता _____ पाठशला

नहीं कभी मैं _____ हूँ।

उत्तरः प्रतिदिन जाता मैं पाठशला,

नहीं कभी मैं रोता हूँ।

(ख) —— सुनाकर कोई अच्छा,

तुम्हारा मन —— ।

उत्तर: पाठ सुनाकर कोई अच्छा,

तुम्हारा मन बहलाऊँगा।

(ग) —— मैं उठता,

नहीं देर तक ——हूँ।

उत्तरः नित्य सबेरे ही मैं उठता,

नहीं देरतक सोता हूँ।

(घ) नित्य —— मैं तुमको,

इतनी दूर —— हो।

उत्तरः नित्य देखता हूँ मैं तुमको,

इतनी दूर कहाँ जाते हो।

(ङ) सारा —— ले लूँगा मैं,

पकड़ —— पाऊँगा।

उत्तर: सारा बदला ले लूँगा मैं,

पकड़ जिसदिन मैं पाऊँगा।

3. वाक्य बनाओ—

मुँह, चमकना, पाठशाला, जाना, पास, आना।

उत्तरः मुँह – अपना मुँह चमकाते हो।

चमकना – चन्दा मामा आकाश में चमकते हैं।

पाठशाला – मैं रोज पाठशाला जाता हूँ।

जाना – इतनी दूर कहाँ जाते हो।

पास – चन्दा मामा मेरे पास आओ।

आना – बच्चे चन्दा मामा से प्रार्थना करता है कि मेरे पास जरुर आना।

4. पढ़ो और समझो—

त् + य = त्य – नित्य

म् + ह = म्ह – तुम्हारा

न् + द = न्द – चन्दा